
Under CSR Support by
ipca Foundation
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
CLASS 11th
GEOGRAPHY
ARJUN
BATCH
जलवायु (Climate)
अध्याय-4 | भाग-1
मानसून जलवायु में एकरूपता

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

जलवायु - किसी विस्तृत भू-भाग पर लम्बी समयावधि के दौरान विभिन्न वायुमण्डलीय दशाओं की औसत अवस्था को उस भू-भाग की जलवायु कहते हैं

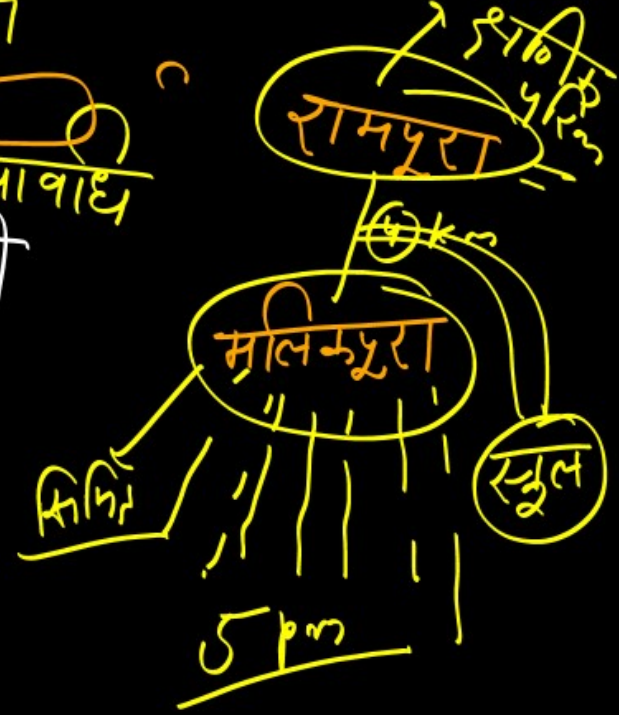
जलवायु

मौसम → सिमित

भू-भाग विस्तृत

2 समयावधि लम्बी

अल्प



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1 भारतीय मानसून

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जलवायु का अध्ययन → क्लाइमेटोलॉजी
(जलवायु विज्ञान)



मौसम	जलवायु
वायुमंडल की क्षणिक अवस्था।	अपेक्षाकृत लंबे समय की मौसमी दशाओं का औसत।
मौसम जल्दी-जल्दी परिवर्तित। जैसे- एक दिन में या सप्ताह में।	जलवायु में परिवर्तन 50 वर्ष अथवा इससे भी अधिक वर्षों में।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

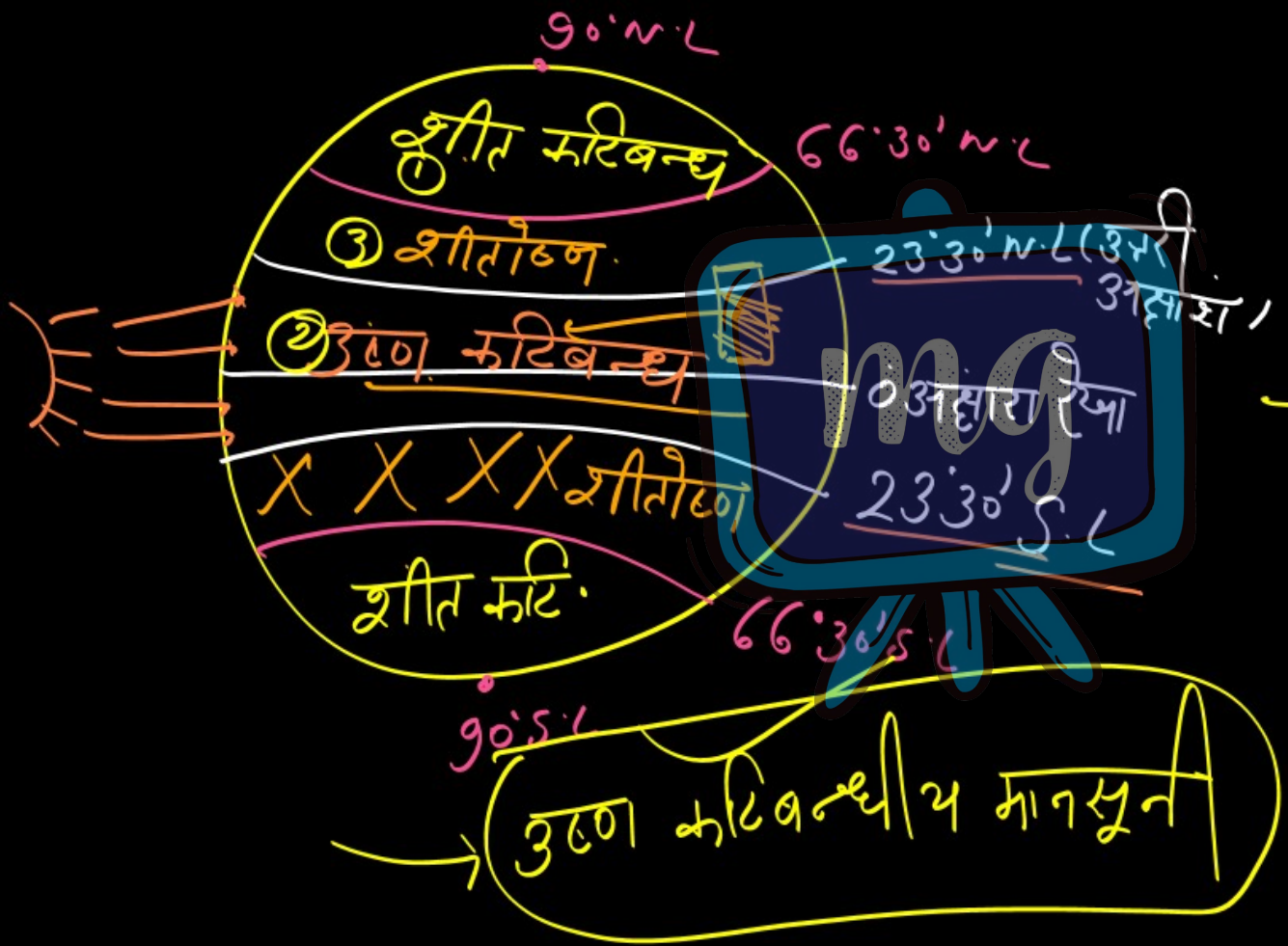
मानसून जलवायु

भारत की जलवायु उष्ण मानसूनी है, जो दक्षिणी एवं दक्षिणी-पूर्वी एशिया में पायी जाती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



SRs

37°6' N.L

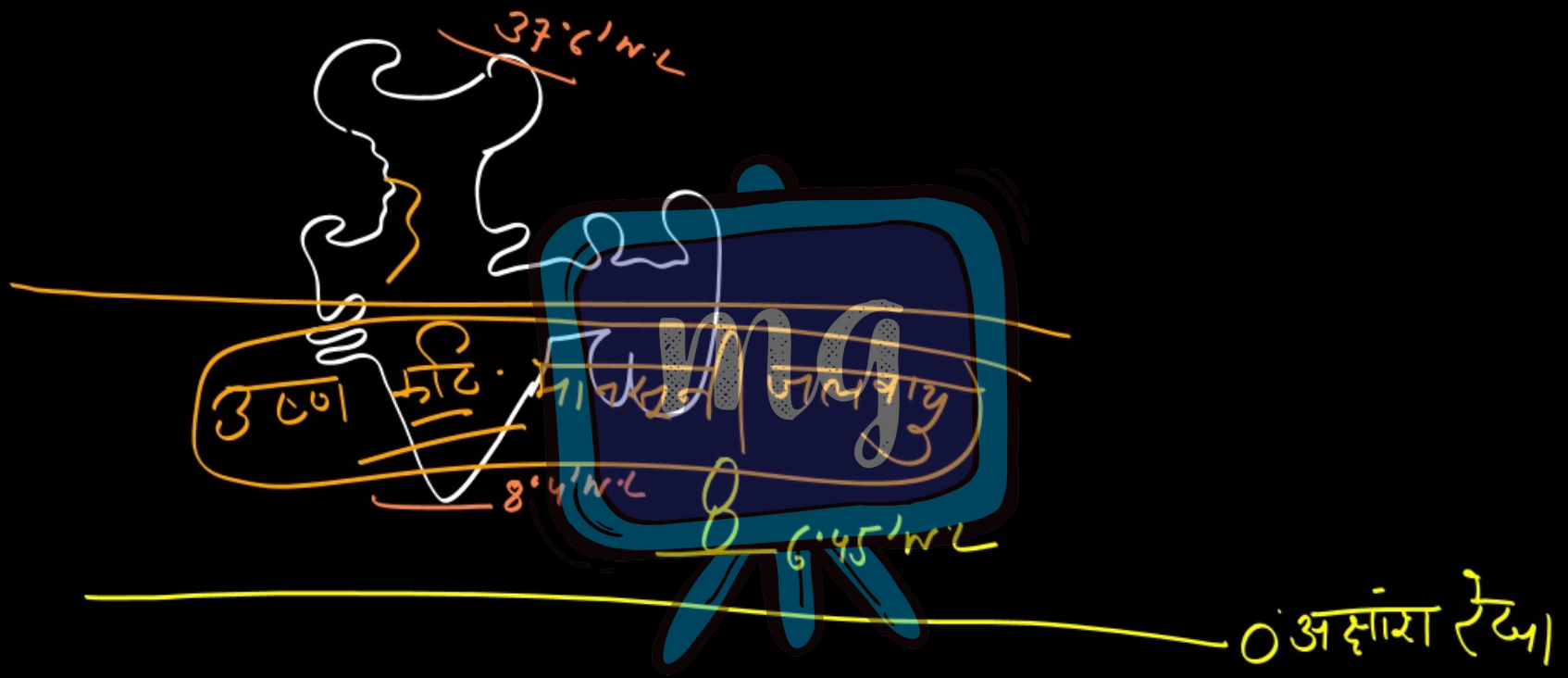
8°4' N.L

6°45' N.L

→ दो अक्षांश रेखाओं के मध्य के स्थान को ZONE/कटिबन्ध कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानसून जलवायु में एकरूपता

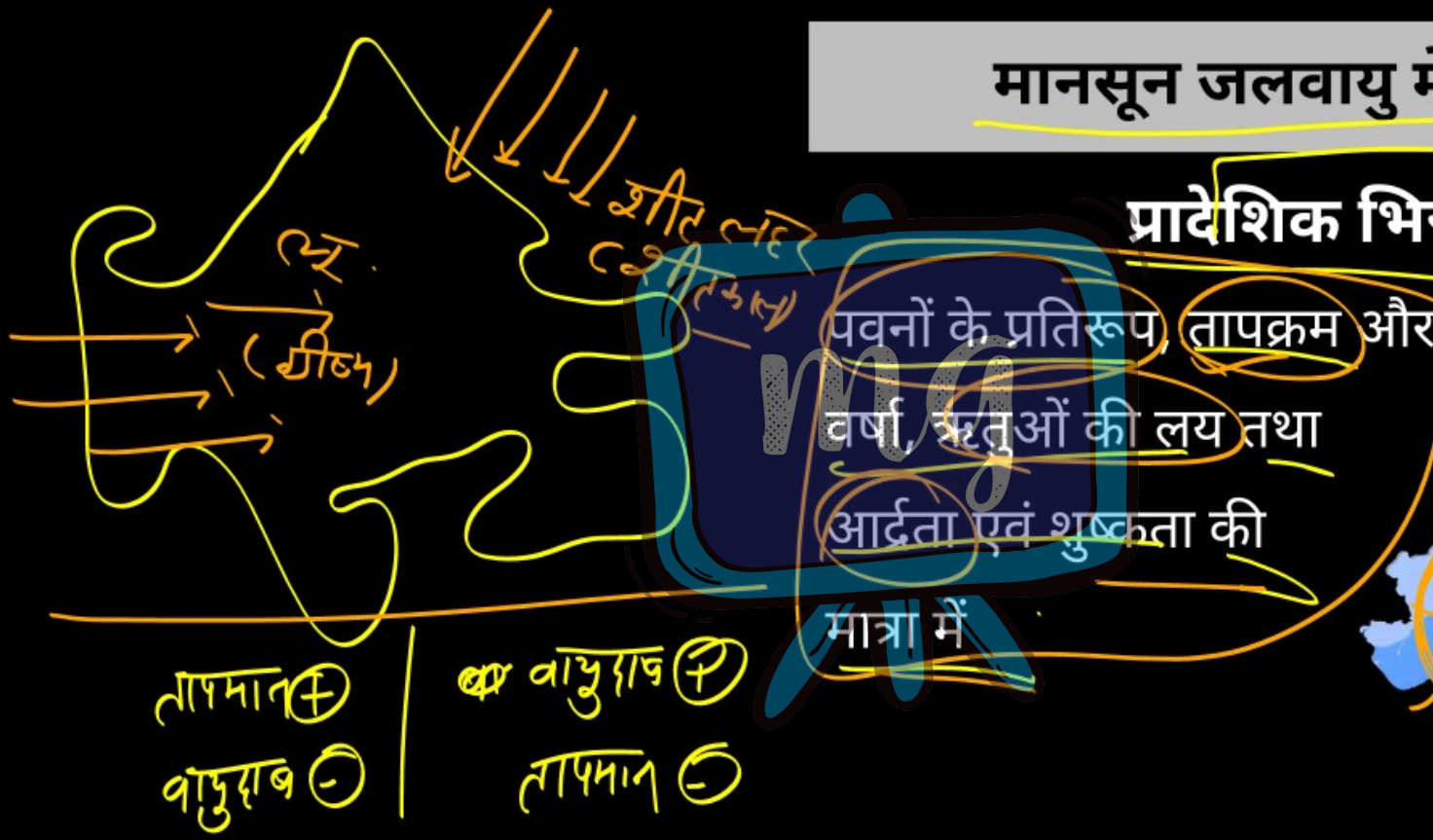
मानसून पवनों की व्यवस्था भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच एकता को बल प्रदान करती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानसून जलवायु में विविधता



प्रादेशिक भिन्नताएँ

पवनों के प्रतिरूप, तापक्रम और वर्षा, ऋतुओं की लय तथा आर्द्रता एवं शुष्कता की मात्रा में

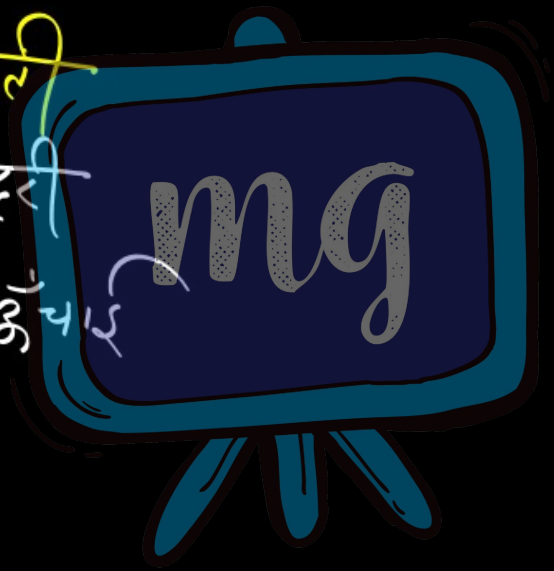


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक →

1. अक्षांशीय स्थिति
2. समुद्र तट से दूरी
3. समुद्र तल से ऊँचाई
4. वनस्पति
5. मृदा

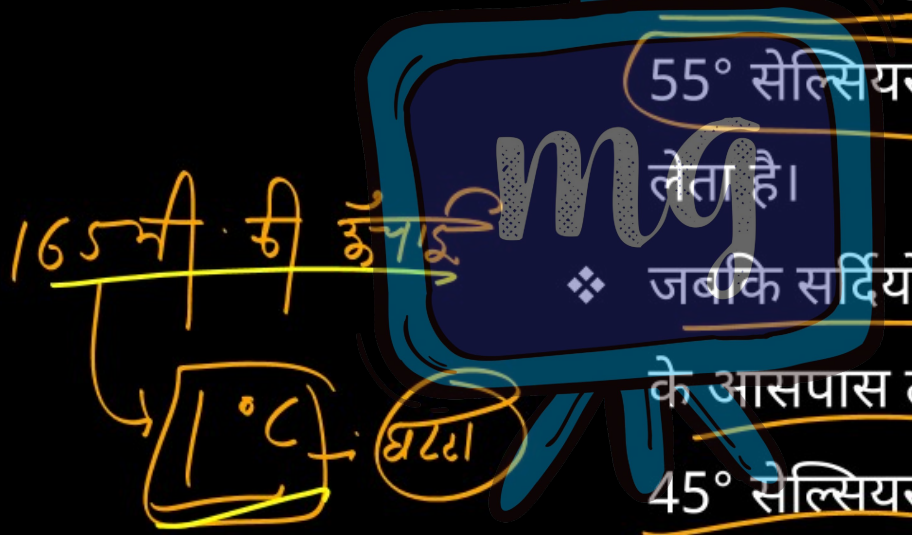


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तापक्रम की विविधता

- गर्मियों में पश्चिमी मरुस्थल में तापक्रम कई बार 55° सेल्सियस को स्पर्श कर लेता है।
- जबकि सर्दियों में लेह के आसपास तापमान 45° सेल्सियस तक गिर जाता है।





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

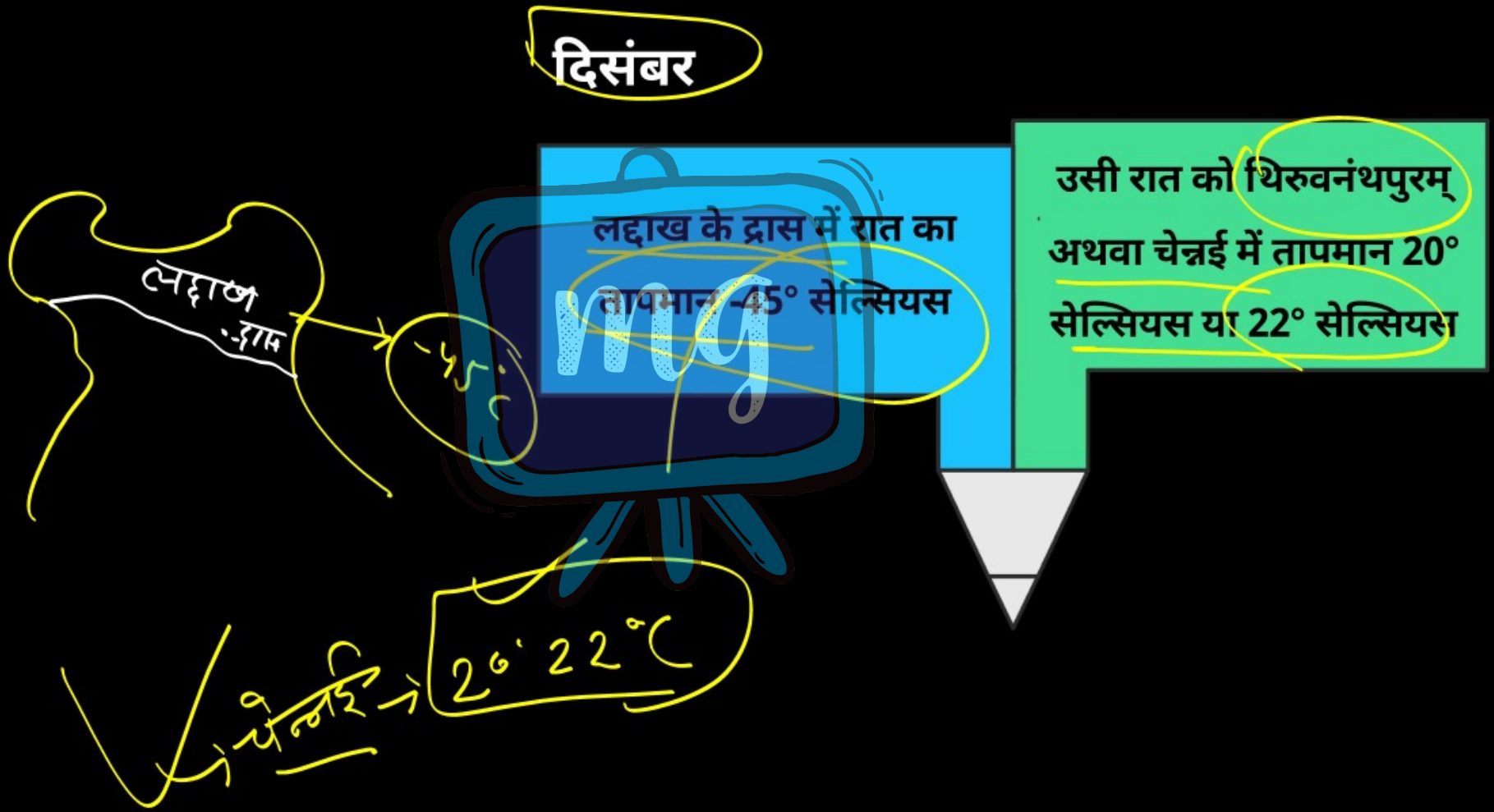


जून में तापक्रम

- राजस्थान के चुरू जिले में जून के महीने के किसी एक दिन का तापमान 50° सेल्सियस अथवा अधिक
- उसी दिन अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में तापमान मुश्किल से 19° सेल्सियस तक

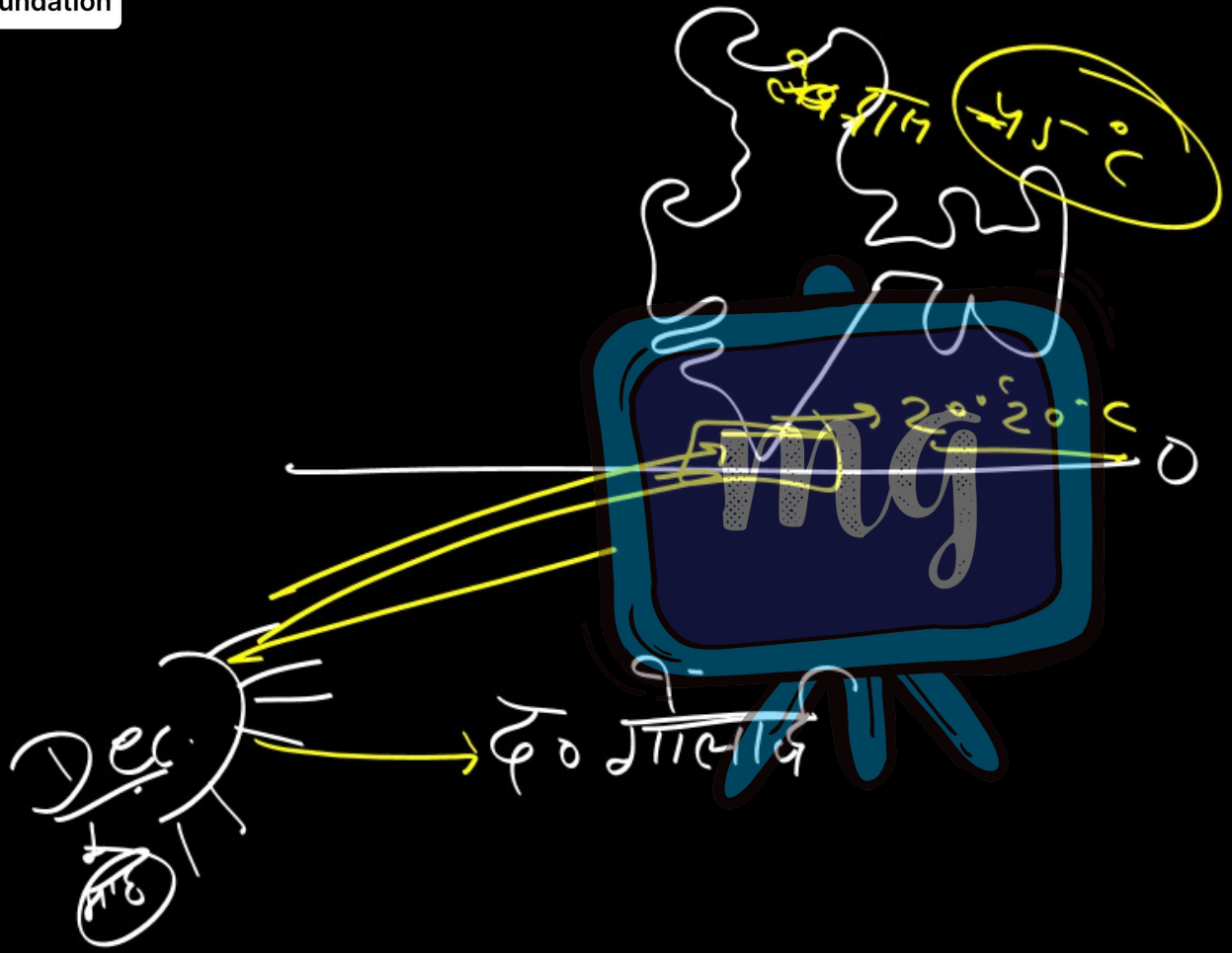
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



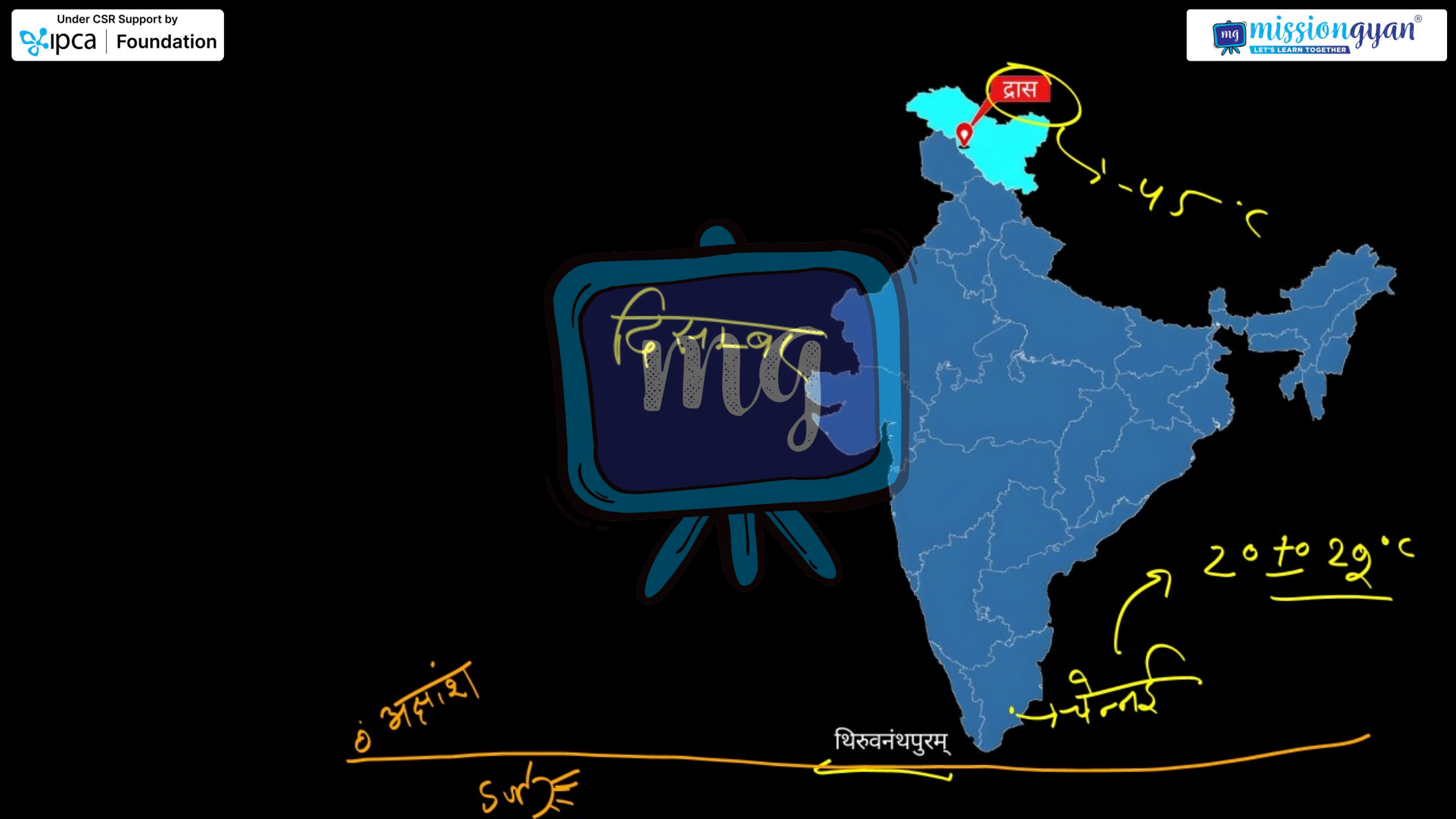
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

भारत में एक स्थान से दूसरे स्थान पर तथा एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र के तापमान में ऋतुवत् अंतर पाया जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



दैनिक तापान्तर

- केरल और अंडमान द्वीप समूह में दिन और रात के तापमान में मुश्किल से 7° या 8° सेल्सियस का अंतर
- थार मरुस्थल में, यदि दिन का तापमान 50° सेल्सियस हो, तो वहाँ रात का तापमान 15° से 20° सेल्सियस

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वर्षण की प्रादेशिक विविधता



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वर्षण की मात्रा में अंतर

- मेघालय की खासी पहाड़ियों में स्थित चेरापूँजी और मॉसिनराम में औसत वार्षिक वर्षा 1,080 से.मी. से ज़्यादा
- राजस्थान के जैसलमेर में औसत वार्षिक वर्षा 9 से.मी.



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उत्तरी-पश्चिमी हिमालय तथा पश्चिमी मरुस्थल में वार्षिक वर्षा 10 से.मी. से भी कम
- उत्तर-पूर्व में स्थित मेघालय में वार्षिक वर्षा 400 से.मी. से ज्यादा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

मेघालय की गारो पहाड़ियों में स्थित तुरा में एक ही दिन में उतनी वर्षा होती है जितनी जैसलमेर में दस वर्षों में।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



जुलाई - अगस्त महीने

- गंगा के डेल्टा तथा ओडिशा के तटीय भागों में हर तीसरे या पाँचवें दिन प्रचंड तूफान व मूसलाधार वर्षा
- तमिलनाडु का कोरोमंडल तट शांत एवं शुष्क

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

- देश के अधिकांश भागों में, वर्षा जून और सितंबर के बीच होती है, किंतु तमिलनाडु के तटीय प्रदेशों में वर्षा शरद ऋतु अथवा जाड़ों के आरंभ में होती है।
- इन सभी भिन्नताओं और विविधताओं के बावजूद भारत की जलवायु अपनी लय और विशिष्टता में मानसूनी है।